दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता पर मंथन

हेमंत खंडेलवाल ने किया संवाद

सच प्रतिनिधि || भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने शनिवार को बैतूल के भारत भारती आवासीय विद्यालय में आयोजित 'सक्षम' मध्य भारत प्रांत के प्रांतीय अधिवेशन के द्घाटन सत्र में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने दिव्यांग भाई-बहनों से संवाद कर उनके सशक्तिकरण, सम्मान और आत्मनिर्भरता से जुड़े विषयों पर चर्चा की। अधिवेशन में मध्य भारत प्रांत के 16 जिलों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संवाद के दौरान दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें सम्मानजनक अवसर उपलब्ध कराने और आत्मनिर्भर बनाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एवं विश्व कप विजेता गुरुदास

राजपूत, 'सक्षम' मध्य भारत प्रांत के अध्यक्ष सुरेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महासचिव उमेश अंधारे, पद्मश्री मोहन नागर, दिव्यांगजन आयुक्त अजय खेमरिया, अतीत पवार, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री हंसराज धुर्वे सहित सक्षम संस्था बैतूल के अध्यक्ष सुनील कुमार हिरानी मौजूद रहे। अधिवेशन में 'सक्षम' संस्था के पदाधिकारियों और विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने दिव्यांगजनों के अधिकार, सम्मान, सहभागिता और आत्मनिर्भरता को लेकर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए सामाजिक सहयोग और सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और प्रभावी बनाना रहा।

सूर्य पूजा और छठ गीतों के बीच हुई चाय पर परिचर्चा

प्रेमपुरा घाट की 51 सदस्यीय कार्यकारिणी सम्मानित

सच प्रतिनिधि || भोपाल

प्रेमपुरा छठ घाट (सैर सपाटा) पर महानगर भोजपुरी समाज भोपाल की ओर से भगवान सूर्य नारायण की पूजा और सामूहिक छठ गीतों के साथ 'चाय पर सार्थक परिचर्चा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष ददन सिंह यादव ने की। इस अवसर पर प्रेमपुरा छठ घाट की नवगठित 51 सदस्यीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के संरक्षक वीरेंद्र सिंह (व्यास) ने छठ माई के पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। इसके

बाद भोजपुरी भाषा में समाज, संस्कृति और छठ पर्व से जुड़े विषयों पर उपस्थित सदस्यों ने अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक सूर्य नाथ सिंह, महेश प्रताप सिंह, आशुतोष तिवारी, पार्षद नीरज सिंह, उपाध्यक्ष रमेश चंद्र सिंह, महामंत्री राजेश सिंह, कोषाध्यक्ष रमेश यादव, दक्षिण-पश्चिम विधानसभा अध्यक्ष अजीत सिंह सहित समाज के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में रविंद्र सिंह, चतुरी यादव, अवधेश सिंह, धनंजय सिंह, रत्नेश सिंह, आलोक सिंह, मंतोष सिंह, प्रेमपुरा छठ घाट अध्यक्ष प्रेम सागर तिवारी, चंद्रशेखर सिंह, अशोक सिंह, रामविलास यादव और रामाशीष यादव सहित अन्य सदस्य शामिल हुए। महिला मोर्चा की ओर से दक्षिण-पश्चिम विधानसभा अध्यक्ष सुधा सिंह, महामंत्री पुष्पा गुप्ता और उपाध्यक्ष सुनीता भारती सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहीं। 51 सदस्यीय कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए समाज के सदस्यों ने छठ पर्व की परंपराओं को मजबूत करने और समाज की एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के आयोजन भोजपुरी भाषा, लोक संस्कृति और छठ पर्व की परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मध्यप्रदेश में बदलने वाला है बस सफर

छह महीने में 520 नई बसें, एआई तय करेगा कहां-कितनी चलेंगी

2027 तक 1100 बसों का बेड़ा तैयार करने का लक्ष्य

सच प्रतिनिधि || भोपाल

मध्यप्रदेश में सार्वजनिक परिवहन अब पुराने ढर्रे से निकलकर टेक्नोलॉजी आधारित स्मार्ट बस सिस्टम की ओर बढ़ने जा रहा है। अगले छह महीनों में प्रदेश की सड़कों पर 520 नई बसें उतारने की तैयारी है। इनमें 486 पीएम ई-बसें और 34 इंटरसिटी बसें शामिल हैं। सरकार ने वर्ष 2027 तक बसों का बेड़ा बढ़ाकर 1100 बसों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इस नई व्यवस्था की सबसे खास बात यह होगी कि बसों के रूट और फेरे केवल परंपरागत अनुमान से तय नहीं होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम यात्रियों की वास्तविक मांग का विश्लेषण करेंगे। जिस रूट पर यात्रियों का दबाव ज्यादा होगा, वहां बसों की संख्या और फ्रीक्वेंसी बढ़ाई जा सकेगी, जबकि कम मांग वाले रूट पर संचालन को उसी हिसाब से बदला जाएगा।

9 नए डिपो, एक में 100 बसों की क्षमता 520 नई बसों के

संचालन और रखरखाव के लिए प्रदेश में 9 नए आधुनिक डिपो विकसित किए जा रहे हैं। प्रत्येक डिपो में एक साथ करीब 100 बसें खड़ी करने की क्षमता होगी। पुराने डिपो को भी आधुनिक मोबिलिटी हब के रूप में विकसित करने की योजना है। इनमें निजी निवेश के जरिए व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की तैयारी है। यात्रियों की सुविधा के लिए ओएनडीसी आधारित इंटीग्रेटेड टिकटिंग सिस्टम विकसित किया जा रहा है। इसमें एक ही प्लेटफॉर्म पर बस का रूट, उपलब्धता, किराया और यात्रा संबंधी जानकारी मिल सकेगी। भुगतान के लिए यूपीआई, एनसीएमसी मोबिलिटी कार्ड, डेबिट-क्रेडिट कार्ड और ई-वॉलेट जैसे विकल्प उपलब्ध होंगे। नई बसों में सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन अनिवार्य किए जा रहे हैं। बसों को कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाएगा, जहां से बस की लोकेशन, संचालन और ड्राइविंग पैटर्न की निगरानी की जा सकेगी। इससे यात्रियों, खासकर महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है। बड़ी संख्या में ई-बसों के सड़कों पर उतरने से हर साल करीब 70 हजार टन कार्बन उत्सर्जन कम होने का अनुमान है। यानी नई बस व्यवस्था केवल यात्री सुविधा ही नहीं, बल्कि प्रदूषण कम करने की दिशा में भी बड़ा कदम साबित हो सकती है। सरकारी बस संचालन को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए किराए के अलावा आय के नए स्रोत विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। विशेषज्ञों और वित्तीय संस्थाओं की सलाह के अनुसार बस डिपो को केवल बस खड़ी करने की जगह न रखकर वहां रिटेल आउटलेट, लॉजिस्टिक्स और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां विकसित की जा सकती हैं। इससे परिवहन व्यवस्था की आय बढ़ाने और संचालन घाटा कम करने में मदद मिलेगी।यानी आने वाले समय में एमपी का बस सफर सिर्फ बसों की संख्या बढ़ने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रूट तय करने से लेकर टिकट, सुरक्षा और निगरानी तक पूरी व्यवस्था तकनीक से संचालित होती नजर आएगी।

रिजल्ट जारी, फिर भी हाथ खाली

50 हजार छात्रों की मार्कशीट एक महीने से अटकी

सच प्रतिनिधि || भोपाल

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के करीब 50 हजार विद्यार्थियों का भविष्य अंकसूची के इंतजार में अटका हुआ है। परीक्षा परिणाम जारी हुए एक महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को अब तक उनकी अंकसूची नहीं मिल सकी है। इसके कारण कॉलेजों में प्रवेश, नौकरी के लिए आवेदन और दस्तावेज सत्यापन जैसे जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। परेशान विद्यार्थियों ने अब मामला सीएम हेल्पलाइन तक पहुंचा दिया है।

बीयू की यूजी-पीजी परीक्षाओं में करीब 1.30 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। विद्यार्थियों का आरोप है कि एजेंसी ईफिनिटी द्वारा तैयार किए गए परिणाम में करीब 25 प्रतिशत विद्यार्थियों को गलत तरीके से फेल कर दिया गया। कई विद्यार्थियों को ऐसे विषयों में प्रैक्टिकल में अनुपस्थित बता दिया गया, जिनमें प्रैक्टिकल था ही नहीं। परिणाम जारी होने के बाद जब विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में शिकायतें दर्ज कराईं तो मामला सामने आया। विश्वविद्यालय में ऐसी 20 से

अधिक शिकायतें पहुंचने के बाद जांच की गई और कुछ विद्यार्थियों के परिणाम संशोधित कर नई अंकसूची भी जारी की गई। हालांकि विद्यार्थियों का कहना है कि अभी भी बड़ी संख्या में परिणामों में संशोधन और अंकसूची जारी होने का इंतजार है। विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी परेशानी यह है कि परिणाम ऑनलाइन दिखाई देने के बावजूद कई जगह मूल अंकसूची मांगी जा रही है। इसके अभाव में कॉलेज प्रवेश, नौकरी और अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं में दस्तावेज सत्यापन पूरा नहीं हो पा रहा है। विद्यार्थियों का कहना है कि विश्वविद्यालय की देरी का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। इधर, बीएड के करीब 60 विद्यार्थी एक-दो विषयों में फेल होने के बाद विश्वविद्यालय पहुंचे। निजी कॉलेजों के इन विद्यार्थियों ने मार्च 2026 में हुई प्रथम सेमेस्टर परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन और अंकों की दोबारा जांच की मांग की है। विद्यार्थियों ने कुलगुरु और कुलसचिव को ज्ञापन देकर द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल होने का अवसर देने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि परिणाम की गड़बड़ी के कारण वे फेल हुए हैं तो उन्हें आगे की परीक्षा से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। बीयू के कुलसचिव प्रो. समर सिंह ने कहा कि संशोधन कर जल्द अंकसूची जारी की जाएगी। बीएड के विद्यार्थियों की समस्याओं को भी दूर किया जाएगा। अब विद्यार्थियों की नजर विश्वविद्यालय की अगली कार्रवाई पर है। एक ओर बड़ी संख्या में छात्र अंकसूची के इंतजार में हैं, वहीं दूसरी ओर गलत परिणाम और प्रैक्टिकल में अनुपस्थित दिखाने जैसी शिकायतों ने विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

टैक्स ऑडिट केवल फॉर्म भरना नहीं, सही रिपोर्टिंग भी जरूरी: सीए अग्रवाल

सच प्रतिनिधि || भोपाल

भोपाल टैक्सेशन एसोसिएशन की ओर से प्रथम स्टडी सर्किल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में टैक्स ऑडिट की प्रक्रिया, रिपोर्ट तैयार करते समय बरती जाने वाली सावधानियों और बदलते कर प्रावधानों पर विशेषज्ञों ने सदस्यों को व्यावहारिक जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष मुनीन्द्र वैद्य ने की।

कार्यक्रम का विषय टैक्स ऑडिट कैसे किया जाए एवं क्या-क्या सावधानियां बरती जाएं रखा गया। मुख्य वक्ता चार्टर्ड एकाउंटेंट अंशुल अग्रवाल ने टैक्स ऑडिट से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए कहा कि टैक्स ऑडिट केवल एक फॉर्म भरने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि सही और तथ्यात्मक रिपोर्टिंग इसकी सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सीए अग्रवाल ने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट में उपयोग होने वाले फॉर्म 3सीए /3सीबी-3सीडी को भरते समय आने वाली व्यावहारिक समस्याओं और आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने धारा 44एबी के तहत टैक्स ऑडिट की सीमा तथा रिपोर्ट के विभिन्न क्लॉज की जानकारी दी। विशेष रूप से क्लॉज 21, 22, 26, 31, 34 और 44 में रिपोर्टिंग के दौरान किन बिंदुओं का ध्यान रखा जाना चाहिए, इस पर प्रकाश डाला। उन्होंने टैक्स ऑडिट के नए फॉर्मेट और विभाग की ओर से जारी हालिया गाइडलाइंस से भी सदस्यों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि ऑडिटर को रिपोर्ट तैयार करने से पहले क्लाइंट के कारोबार और उसकी कार्यप्रणाली को समझना चाहिए। उपलब्ध दस्तावेजों और सूचनाओं की जांच के बाद ही सही एवं तथ्यात्मक जानकारी रिपोर्ट में दर्ज की जानी चाहिए। उन्होंने ऑडिट के दौरान दस्तावेजों की जांच और रिपोर्टिंग में विशेष सावधानी बरतने पर जोर दिया।

बदलते कर प्रावधानों की जानकारी जरूरी

एसोसिएशन के अध्यक्ष मुनीन्द्र वैद्य ने कहा कि कर व्यवस्था लगातार तकनीकी और विस्तृत होती जा रही है। टैक्स से जुड़े प्रावधानों और विभागीय दिशा-निर्देशों में लगातार बदलाव हो रहे हैं, इसलिए कर पेशेवरों के लिए नई जानकारी से अपडेट रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्टडी सर्किल जैसे आयोजन सदस्यों के बीच ज्ञान और अनुभव के आदान-प्रदान का प्रभावी माध्यम हैं।

15 को भोपाल आएंगे असदुद्दीन ओवैसी, सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में करेंगे जनसभा

भोपाल। आईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी 15 सितंबर को भोपाल आएंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान के

अनुसार, ओवैसी मंगलवार को दोपहर 2.50 बजे राजा भोज एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद शाम 7:30 बजे सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।पार्टी के मुताबिक, जनसभा में प्रदेश से जुड़े कई मुद्दों को उठाया जाएगा। इनमें कथित जुल्म और नाइंसाफी, मकानों पर कार्रवाई, धार्मिक स्थलों को हटाने और मॉब लिंचिंग जैसे मुद्दे प्रमुख रहेंगे। इसके साथ ही मध्यप्रदेश सरकार केयूसीसी लागू करने के फैसले का भी विरोध किया जाएगा।

तीन महीने में मास्टर प्लान नहीं आया तो इंदौर से भोपाल तक पदयात्रा

मास्टर प्लान के साथ बेतरतीब विकास और भ्रष्टाचार के खिलाफ भी होगा जनआंदोलन : पटवारी

सच प्रतिनिधि || भोपाल

भोपाल और इंदौर के मास्टर प्लान को लेकर कांग्रेस अब सड़क पर बड़ा आंदोलन करने की तैयारी में है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार को तीन महीने का समय देते हुए कहा है कि यदि इस अवधि में दोनों शहरों का मास्टर प्लान जारी नहीं किया गया तो इंदौर से भोपाल तक पदयात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने दावा किया कि पदयात्रा में करीब 50 हजार लोगों को शामिल करने का लक्ष्य रखा जाएगा। पटवारी रविवार को भोपाल के रोशनपुरा चौराहे स्थित जवाहर भवन के सामने पूर्व मंत्री पीसी शर्मा के 31 घंटे के उपवास में शामिल होने पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान के अभाव में भोपाल और इंदौर का विकास व्यवस्थित तरीके से नहीं हो पा रहा है। इसका सीधा असर आम लोगों और व्यापारियों पर पड़ रहा है।

सिर्फ मास्टर प्लान नहीं, पूरे विकास मॉडल पर सवाल

पटवारी ने कहा कि प्रस्तावित पदयात्रा केवल मास्टर प्लान लागू करने की मांग तक सीमित नहीं रहेगी। इसे प्रदेश में बेतरतीब विकास और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा। कांग्रेस जनता और व्यापारियों की आवाज बनकर सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि शहरों के विस्तार के साथ आबादी,

कारोबार, यातायात और बुनियादी सुविधाएं तेजी से बढ़ी हैं, लेकिन विकास के लिए स्पष्ट और भविष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई योजना का अभाव गंभीर समस्या बन गया है। पटवारी ने कहा कि मास्टर प्लान का मुद्दा केवल सरकारी कागजों तक सीमित नहीं है। इसका सीधा संबंध शहर में सड़क, बाजार, आवासीय क्षेत्र, व्यावसायिक गतिविधियों, यातायात और पार्किंग जैसी व्यवस्थाओं से है। कांग्रेस इस मुद्दे पर छात्रों और युवाओं से संवाद खड़ी रहेगी। उपवास कार्यक्रम में विधायक नितेंद्र राठौर और विजय चौरे, प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव सिंह, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेंतिया, भोपाल शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण वक्सेना सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राहुल गांधी के इंदौर कार्यक्रम पर 10 लाख शुल्क का विरोध

पटवारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए मैदान का 10 लाख रुपए शुल्क लिए जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ऐसे नेता प्रतिपक्ष हैं, जो किसी गैर-राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होकर छात्रों और युवाओं से संवाद करने आ रहे हैं। उन्होंने सरकार से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर लोकतांत्रिक परंपराओं और युवाओं की भावनाओं का सम्मान करने की अपील की। पटवारी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण देते हुए कहा कि जब वे नेता प्रतिपक्ष के रूप में भोपाल आते थे, तब कांग्रेस सरकार उनके कार्यक्रमों की अनुमति देती थी और स्वयं भी उनके कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें सुनती थी।

फर्जी दस्तावेज से होटल में छिपने के मामले बने वजह

एआई पकड़ेगा जाली दस्तावेज, पुलिस को मिलेगा रियल टाइम अलर्ट

सच प्रतिनिधि || भोपाल

राजधानी के होटलों में फर्जी पहचान-पत्र के सहारे ठहरने वाले अपराधियों और संदिग्धों पर अब पुलिस की डिजिटल नजर रहेगी। भोपाल पुलिस कमिश्नरेट होटल गेस्ट वेरिफिकेशन के लिए अत्याधुनिक ऑनलाइन सिस्टम तैयार कर रहा है। इसके तहत होटल में चेक-इन करने वाले प्रत्येक अतिथि की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम तक रियल टाइम में पहुंचेगी। जाली या छेड़छाड़ किए गए दस्तावेज सामने आते ही एआई आधारित सिस्टम अलर्ट जारी करेगा। पुलिस ने इस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत राजधानी के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र एमपी नगर थाना क्षेत्र से करने की तैयारी की है। यहां सिस्टम के संचालन और होटल संचालकों से मिलने वाले फीडबैक के आधार पर इसे शहर के अन्य थाना क्षेत्रों में भी लागू किया जाएगा।

पुलिस आयुक्त संजय कुमार के अनुसार, एक निजी सॉफ्टवेयर कंपनी के सहयोग से कॉमन डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है। सिस्टम अंतिम चरण में है और जल्द ही इसे आधिकारिक रूप से लॉन्च किया जाएगा। नई व्यवस्था में होटल संचालक अतिथि के चेक-इन

के समय ही उसका पहचान-पत्र ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करेंगे। होटल में आने और जाने वाले मेहमानों का डेटा पुलिस को डिजिटल रूप से उपलब्ध रहेगा। पोर्टल में मौजूद एआई और वेरिफिकेशन टूल दस्तावेजों की जांच कर संदिग्ध अथवा छेड़छाड़ किए गए दस्तावेजों को फ्लैग करेगा। जैसे ही सिस्टम किसी दस्तावेज में गड़बड़ी या संदिग्ध गतिविधि को चिन्हित करेगा, संबंधित थाना और पुलिस कंट्रोल रूम को ऑटोमैटिक अलर्ट मिलेगा। इससे पुलिस को होटल में जाकर मैनुअल रजिस्टर खंगालने की जरूरत कम होगी और संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी समय रहते पुलिस तक पहुंच सकेगी।

राजधानी में फर्जी दस्तावेजों के जरिए होटलों में ठहरने के मामले सामने आने के बाद पुलिस ने वेरिफिकेशन व्यवस्था को तकनीक आधारित बनाने की तैयारी की है। जानकारी के अनुसार, जबलपुर में हत्या के बाद भोपाल पहुंचे एक आरोपी ने आईएसबीटी के पास स्थित होटल में फर्जी पहचान-पत्र के आधार पर कमरा लिया था। पुलिस को जानकारी मिलने तक आरोपी होटल से फरार हो चुका था। पुलिस का मानना है कि नया डिजिटल सिस्टम ऐसे मामलों में संदिग्धों की पहचान और सूचना साझा करने की प्रक्रिया को तेज करेगा। पायलट प्रोजेक्ट के सफल रहने पर व्यवस्था को पूरे भोपाल शहर के होटलों तक विस्तार देने की तैयारी है।